भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **2737**
दिनांक **12** मार्च**,** 2018

अन्वे षत लघु क्षेत्र नीति

2737. श्री जे॰ जे॰ टी॰ न र्जीः
श्रीमती एम॰ वसन्तीः
डॉ॰ पी॰ वेणुगोपालः
श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रनः
डॉ॰ के॰ गोपालः
डॉ॰ उदित राजः
श्री ओम बिरलाः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार ने ओएनजीसी तथा ऑयल इं डया ल मटेड द्वारा परित्यक्त अन्य 60 अन्वे षत लघु क्षेत्रों/अमौद्रिकृत अन्वेषणों को सम्मि लत कये जाने को मंजूरी दी गई है, जिनका वगत वर्ष के प्रथम चरण के अतिरिक्त अन्वे षत लघु क्षेत्र (डीएसएफ) नीति बोली चरण-दो के तहत व भन्न भारतीय/वदेशी कंपनियों को इस वर्ष में नीलाम कया जाएगा;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और व भन्न कंपनियों के साथ डीएसएफ नीति के तहत अब तक हस्ताक्षरित सं वदाओं की और इन क्षेत्रों से सृजित होने वाला राजस्व की कंपनी/क्षेत्र/राज्य-वार संख्या क्या है;

(ग) क्या सरकार ने डीएसएफ नीति के तहत प्रदान कये जाने वाले 69 सीमान्त क्षेत्रों का अनुमोदन कया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और नीलाम कये गये ऐसे ब्लॉकों की संख्या तथा सरकार द्वारा अब तक अर्जित राजस्व का राजस्थान कंपनी/क्षेत्र/राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या ओएनजीसी अ धकारी संघ ने कंपनी के तेल एवं गैस उत्पादन क्षेत्रों की बिक्री कये जाने पर आपत्ति की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार की इस संबंध में क्या प्रति क्रया है;

(ङ) क्या 1990 के दशक में निजीकृत पश्चिमी अवतटीय पन्ना/मुक्ता क्षेत्रों में उत्पादन तथा केजीडी-6 जैसे अन्य क्षेत्रों से उत्पादन कम हो रहा था कन्तु ओएनजीसी ने अपनी पुरानी पड़ रही एजें सयों के साथ अच्छा कार्य कया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) हाइड्रोकार्बन अन्वेषण लाइसें संग नीति (हेल्प) तथा ओपेन एकरीजी लाइसें संग पॉ लसी के उद्देश्य, लक्ष्य एवं उसकी मुख्य वशेषताएं क्या हैं?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (घ): व भन्न कारणों जैसे क अलग-थलग स्थलों, लघु आकार, अत्य धक लागत, प्रौद्यो गकी संबंधी बाधाओं आदि के कारण ओएनजीसी और ओआईएल के कई खोजे गए तेल और गैस के क्षेत्रों का वर्षों तक मौद्रीकरण नहीं कया जा सका। सरकार ने, घरेलू

उत्पादन को बढ़ाने के लए राष्ट्रीय तेल कंपनियों द्वारा की गई खोजों का शीघ्र मौद्रीकरण करने के लए व भन्न नीतियां तैयार की थी। सरकार ने पूर्व में वर्ष 1992-1993 में एनईएलपी पूर्व खोजे गए क्षेत्र दौर में निजी भागीदारी की अनुमति दी थी। तेल और गैस के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से, ओएनजीसी और ओआईएल के 69 खोजे गए लघु क्षेत्रों, जिनमें उत्पादन शुरु नहीं कया गया था, का मौद्रीकरण करने के लए सतंबर, 2015 में खोजे गए लघु क्षेत्र संबंधी नीति अ धसू चत की गई थी। इस नीति के तहत, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बोली (आईसीबी) के माध्यम से वकास करने के लए 30 सं वदा क्षेत्रों (43 क्षेत्र) को प्रदान कया गया था। ब्यौरे अनुलग्नक- । में दिए गए हैं। राष्ट्रीय तेल कंपनियां, भारतीय निजी कंपनियां और वदेशी कंपनियां या तो अकेले अथवा संयुक्त उद्यम में प्रस्ता वत लघु क्षेत्रों के लए बोली लगाने की पात्र थीं। खोजे गए लघु क्षेत्र नीति को बोली के भावी दौर के लए भी लागू करने का निर्णय लया गया है। इस लए, ओएनजीसी/ओआईएल के साथ परामर्श करके, डीएसएफ बोली दौर-॥ के तहत प्रदान करने के लए 60 क्षेत्रों की पहचान की गई है। इन क्षेत्रों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का 194.65 म लयन टन तेल समतुल्य तत्स्थल भंडार है।

(ड.): देश में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का अ धकांश उत्पादन ओएनजीसी, ओआईएल और निजी/संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा प्रचा लत पुराने क्षेत्रों से कया जाता है जिनमें उत्पादन में प्राकृतिक रूप से गरावट आ रही है। कसी क्षेत्र से उत्पादन की संभाव्यता अत्य धक रूप से क्षेत्र की रिजर्वायर वशेषताओं जैसे क- सरंध्रता ((पोरा सटी) पारगम्यता, वन्यास दाब, क्षेत्र का आकार और स्थल आदि पर निर्भर करता है जिससे अलग-अलग तेल और गैस क्षेत्रों से उत्पादन की दर भन्न होती है। कसी रिजर्वायर से तेल और गैस के उत्पादन काल के दौरान, प्रारंभ में कुछ समयाव ध के लए उत्पादन में वृ द्ध होती है, उसके बाद कुछ वर्षों के लए उत्पादन स्थिर रहता है और उसके बाद तेल और गैस के उत्पादन में प्राकृतिक गरावट देखी जाती है। अन्य शब्दों में, क्षेत्रों की उत्पादन संभाव्यता तेल और गैस क्षेत्र की रिजर्वायर वशेषताओं और परिवर्तनशील प्रकृति पर निर्भर करते हुए भन्न-भन्न होती है।

वर्ष 2012 तक, नई अन्वेषण लाइसें संग नीति के व भन्न दौरों के तहत, अन्वेषण और उत्पादन कार्यकलाप करने के लए कुल 254 अन्वेषण ब्लाक प्रदान कए गए थे। इसके अलावा व भन्न बोली दौरों के तहत 28 एनईएलपी पूर्व अन्वेषण क्षेत्र और 28 खोजे गए क्षेत्र प्रदान कए गए थे, जिन्हें पन्ना-मुक्ता खोजे गए क्षेत्रों में भी शा मल कया गया है।

जहां तक पन्ना-मुक्ता क्षेत्र का संबंध है, वर्ष 1994-95 में प्रारं भक कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन क्रमश: 0.136 एमएमटी और 0.08 बीसीएम था। पन्ना-मुक्ता में सर्वोच्च उत्पादन वर्ष 2007-08 में प्राप्त हुआ था जो 1.910 एमएमटी कच्चा तेल उत्पादन

और 2.14 बीसीएम प्राकृतिक गैस उत्पादन था इसके बाद, तेल और गैस उत्पादन में प्राकृतिक गरावट देखी गई थी।

केजी-डीडब्ल्यूएन-98/3 में, वर्ष 2008-09 में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन क्रमश: 0.129 एमएमटी और 0.08 बीसीएम था। केजी-डी6 में सर्वोच्च उत्पादन वर्ष 2010-11 में हुआ था जो 1.08 एमएमटी कच्चा तेल उत्पादन और 20.40 बीसीएम प्राकृतिक गैस उत्पादन था। इसके बाद, तेल और गैस के उत्पादन में प्राकृतिक गरावट देखी गई थी।

ओएनजीसी ने अत्याधुनिक प्रौद्यो ग कयों के अनुप्रयोग, सु वधाओं को इष्टतम करके, अवसंरचना के पुन: समूहन, हब के वकास आदि से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन की प्राकृतिक गरावट को रोक दिया है।

(च): नई हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसें संग नीति (एचईएलपी) और खुला रकबा लाइसें संग नीति की प्रमुख वशेषताएं निम्न ल खत हैं:-

- पारंपरिक और गैर-पारंपरिक हाइड्रोकार्बनों के लए एक ही लाइसेंस
- खुला रकबा लाइसें संग नीति
- लागू करने के लए आसान राजस्व हिस्सेदारी मॉडल
- कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस के लए वपणन और मूल्य निर्धारण की आजादी
- गहरे समुद्री और अत्य धक गहरे समुद्री ब्लॉकों के लए पहले 7 वर्षों की अव ध हेतु शून्य रॉयल्टी दरें
- कार्य कार्यक्रम और राजकोषीय हिस्से को समान महत्व
- तेल उप कर माफ
- उत्पाद शुल्क माफ आदि

अनुलग्नक-I

लोक सभा अतारां कत प्रश्न सं. 2737 के उत्तर में उल्लि खत अनुलग्नक

खोजे गए लघु क्षेत्र बोली दौर-2016 के तहत अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बोली के माध्यम से प्रदान कए गए 43 क्षेत्रों (30 सं वदा क्षेत्र) के ब्यौरे

क्रम सं.	स्थल	सं वदा क्षेत्र का नाम (नया)	कंपनी का नाम	स्थिति	क्षेत्र नाम	रॉयल्टी का अनुमानित राजस्व निवल (करोड़ रुपए)
1	असम	ए.ए. / ओएनडीएसएफ /हिलारा / 2016	प्राइज पेट्रो लयम कंपनी ल मटेड	प्रदान कया गया	हिलारा	24.2
2		ए.ए. / ओएनडीएसएफ /लक्ष्मीजान/ 2016	मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर ल0	प्रदान कया गया	लक्ष्मीजान	2320.1
3		ए.ए. / ओएनडीएसएफ /पठारिया/ 2016	वजयश्री भास्कर इंडस्ट्रीज प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	पठारिया	224.2
4		ए.ए. / ओएनडीएसएफ /बार सल्ला/ 2016	रामायना इस्पात प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	बार सल्ला	1976.8
			बीडीएन एंटरप्राइजेज प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया		
			डुग्गर फाइबर प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया		
			महेंद्र इन्फ्राटेक प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया		
5		ए.ए. / ओएनडीएसएफ / चराईदेव / 2016	ऑयलमैक्स एनर्जी प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	चराईदेव	1937.7
6		ए.ए. / ओएनडीएसएफ / डप लंग / 2016	रामायना इस्पात प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	डप लंग, सापेखाटी, सरोजिनी	6481
			बीडीएन एंटरप्राइजेज प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया		
			डुग्गर फाइबर प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया		
			महेंद्र इन्फ्राटेक प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया		

				गया		
7		ए.ए. / ओएनडीएसएफ / दुवारमारा/ 2016	ऑयलमैक्स एनर्जी प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	दुवारमारा	65.6
8		ए.ए. / ओएनडीएसएफ / जराईपाथर / 2016	इं डयन ऑयल कॉर्पोरेशन ल मटेड	प्रदान कया गया	जराईपाथर	63.1
9	अरुणाचल प्रदेश	ए.ए. / ओएनडीएसएफ / खेरम / 2016	हिंदुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन कंपनी ल मटेड	प्रदान कया गया	खेरम	633
			ऑयल इं डया ल मटेड	प्रदान कया गया		
			प्राइज पेट्रो लयम कंपनी ल मटेड	प्रदान कया गया		
10	गुजरात	सीबी / आएनडीएएफ / इलाऊ / 2016	पीएफएच आयल एंड गैस प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	इलाऊ	28.4
1 1		सीबी / ओएनएसएसएफ / द क्षण पाटन / 2016	साउथ ए शया कंसल्टेंसी एफजेड	प्रदान कया गया	द क्षण पाटन	257.6
12		सीबी / आएनडीएएफ / खामबेल / 2016	मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर ल0	प्रदान कया गया	खामबेल	41
13		सीबी / आएनडीएएफ / कंबोई / 2016	निप्पॉन पावर ल मटेड	प्रदान कया गया	कंबोई	76.1
14		सीबी / आएनडीएएफ / पश्चिम बेचराजी / 2016	निप्पॉन पावर ल मटेड	प्रदान कया गया	पश्चिम बेचराजी	433.2
15	त मलनाडु	सीवाई / ओएनडीएसएफ / नेडुवासल / 2016	जेम लैबोरेटरीज प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	नेडूवासल	251.3
16		सीवाई / ओएनडीएसएफ / कराईकल / 2016	भारत पेट्रो रिसोर्सेज ल मटेड	प्रदान कया गया	कराईकल	17.6
17	आंध्र प्रदेश	केजी / ओएनडीएसएफ / अचंता / 2016	पीएफएच आयल एंड गैस प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	अचंता	24.6
18		केजी / ओएनडीएसएफ / भीमनपल्ली / 2016	पीएफएच आयल एंड गैस प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	भीमनपल्ली	17.9
19		केजी / ओएनडीएसएफ /	केईआई-	प्रदान कया	कोरावाका	121.3

		कोरावाका / 2016	आरएसओएस पेट्रो लयम एंड एनर्जी प्राइवेट ल मटेड	गया		
20		केजी / ओएनडीएसएफ / सनरुद्रवरम / 2016	प्राइज पेट्रो लयम कंपनी ल मटेड	प्रदान कया गया	सनरुद्रवरम	14.7
21	राजस्थान	आरजे / ओएनडीएसएफ / बखरी तिब्बा / 2016	भारत पेट्रो रिसोर्सेज ल मटेड	प्रदान कया गया	बखरी तिब्बा	45.3
22		आरजे / ओएनडीएसएफ / साडेवाला / 2016	भारत पेट्रो रिसोर्सेज ल मटेड	प्रदान कया गया	साडेवाला	32.8
23	मध्य प्रदेश	वीएन / ओएनडीएसएफ / नोहटा / 2016	इं डयन ऑयल कॉर्पोरेशन ल मटेड	प्रदान कया गया	नोहटा	417.7
24	मुंबई अपतट	एमबी / ओएसडीएसएफ / बी 7 / 2016	सन पेट्रोके मकल्स प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	बी37, बी 174, बी 183, बी 51	4288.2
25		एमबी / ओएससएसएफ / बी9 / 2016	अडानी वेल्सस्पन एक्सप्लोरेशन ल मटेड	प्रदान कया गया	बी-9, बी 7, बीआरसी	5295.7
26		एमबी / ओएससएसएफ / बी15 / 2016	भारत पेट्रो रिसोर्सेज ल मटेड	प्रदान कया गया	B-15, बी-15A	331.6
27		एमबी / ओएससएसएफ / बी127 ई / 2016	भारत पेट्रो रिसोर्सेज ल मटेड	प्रदान कया गया	बी-127ई, बी 153	1335.9
28		एमबी / ओएसडीएसएफ / बी80 / 2016	हिंदुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन कंपनी ल मटेड	प्रदान कया गया	बी-80	1334.4
			अदभुत स्टेट्स प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया		
29	कच्छ अपतट	जीके / ओएसडीएसएफ / केडी / 2016	इं डयन ऑयल कॉर्पोरेशन ल मटेड	प्रदान कया गया	केडी	1616.7
30	केजी-अपतट	केजी / ओएनडीएसएफ / जीएसकेवी1 / 2016	केईआई-आरएसओएस पेट्रो लयम एंड एनर्जी प्राइवेट ल मटेड	प्रदान कया गया	जीएस -59, जीएस-केवी -1	789.1